ओरियंट ब्लैकस्वॉन

आधुनिक भारत
का इतिहास

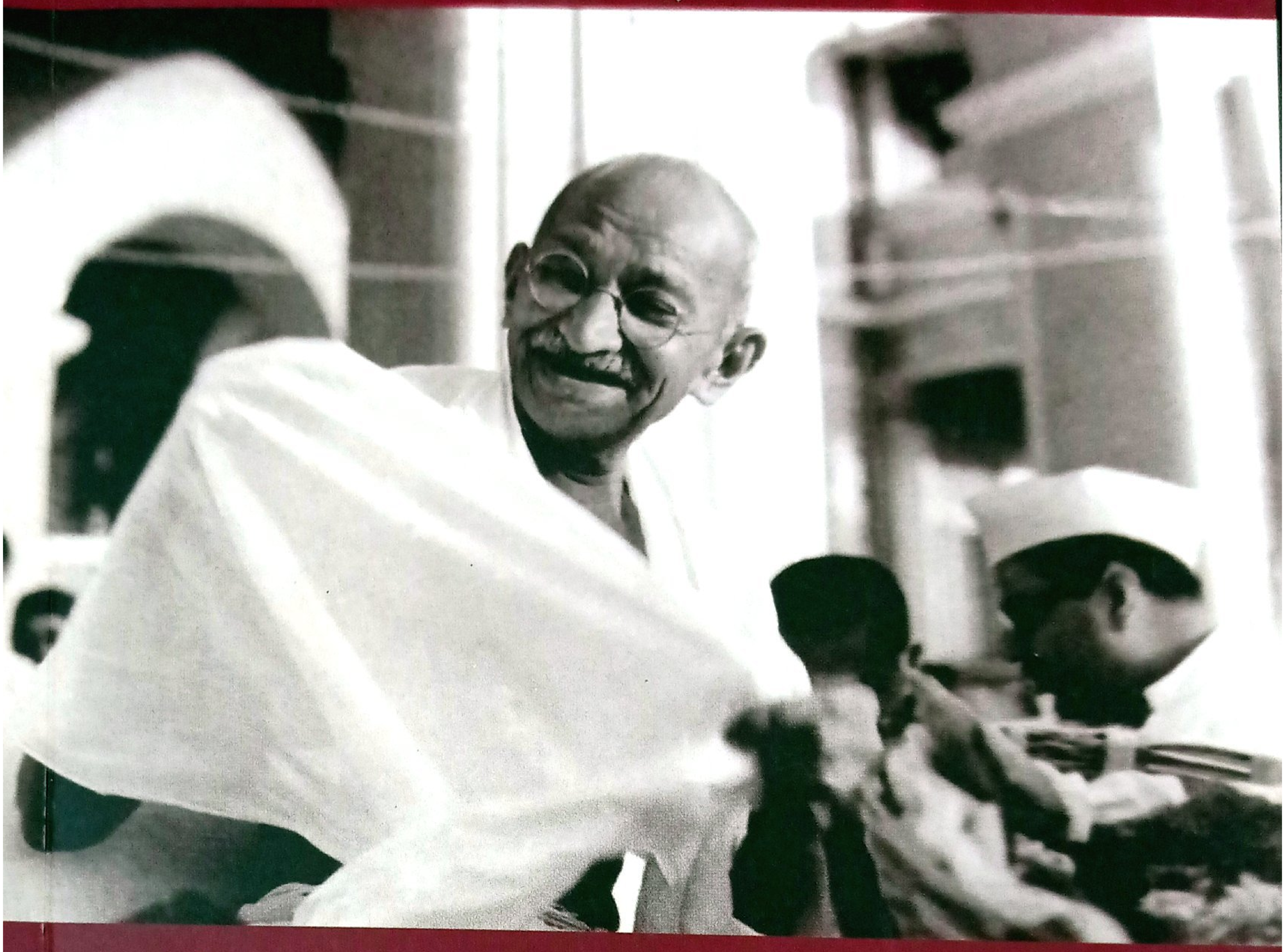

नया संस्करण

Smart App

विपिन चंद्र

Scanned by TapScanner

विषय-क्रम

प्राक्कथन *ix*

भूमिका *xi*

1. अठारहवीं सदी : भारत में राज्य और समाज 1

दिल्ली के आस-पास के क्षेत्र; मराठा शक्ति का उत्थान और पतन; जनता की सामाजिक-आर्थिक अवस्था; शिक्षा; सामाजिक और सांस्कृतिक जीवन

2. भारत में यूरोपीयों का आगमन 36

यूरोप के पूर्वी व्यापार में एक नया दौर; ईस्ट इंडिया कंपनी के व्यापारिक प्रभाव का विस्तार (1600-1744); दक्षिण में अंग्रेज़ों और फ्रांसीसियों के मध्य टकराव; बंगाल पर अंग्रेज़ों का अधिकार; बंगाल के प्रशासन की दोहरी व्यवस्था; वारेन हेस्टिंग्ज़ (1772-85) और कॉर्नवालिस (1786-93) के युद्ध; लॉर्ड वेलेज़ली के काल में अंग्रेज़ों का प्रसार; लॉर्ड हेस्टिंग्ज़ के काल में प्रसार (1813-22); ब्रिटिश शासन को सुदृढ़ बनाने का काम (1818-57); डलहौज़ी की अधिग्रहण की नीति (1848-56)

3. भारत में ब्रिटिश साम्राज्य: आर्थिक नीतियाँ और प्रशासनिक ढाँचा (1757-1857) 71

सरकार का ढाँचा; भारत में अंग्रेज़ों की आर्थिक नीतियां (1757-1857)

4. ब्रिटिश भारत में प्रशासनिक गठन, सामाजिक तथा सांस्कृतिक नीति 94

नागरिक सेवा (सिविल सर्विस); सेना; पुलिस; न्यायिक संगठन; सामाजिक और सांस्कृतिक नीति; लोकोपकारी कार्रवाइयाँ; आधुनिक शिक्षा का प्रसार

5. उन्नीसवीं सदी के पूर्वार्ध में सामाजिक और सांस्कृतिक जागरण 115

राममोहन राय; डेरोज़िओ और यंग बंगाल; देवेंद्रनाथ ठाकुर ईश्वरचंद्र विद्यासागर; पश्चिमी-भारत में सुधार आंदोलन के पथप्रदर्शक

Scanned by TapScanner

6. **1857 का विद्रोह** 129
सामान्य कारण; तात्कालिक कारण; विद्रोह का आरंभ; विद्रोह की कमज़ोरियां और उसका दमन

7. **1858 के बाद प्रशासनिक परिवर्तन** 149
प्रशासन; सेना में परिवर्तन; सार्वजनिक सेवाएं; रजवाड़ों के साथ संबंध; प्रशासन संबंधी नीतियां; जातीय शत्रुता; विदेश नीति

8. **ब्रिटिश शासन का आर्थिक प्रभाव** 173
परंपरागत अर्थव्यवस्था का विघटन; पुराने ज़मींदारों की तबाही तथा नई व्यवस्था का उदय; कृषि में ठहराव और उसकी अवनति; आधुनिक उद्योगों का विकास; दरिद्रता और अकाल

9. **भारत में राष्ट्रवादी आंदोलन (1858-1905)** 192
विदेशी प्रभुत्व के परिणाम; देश का प्रशासकीय और आर्थिक एकीकरण; पश्चिमी विचार और शिक्षा; प्रेस तथा साहित्य की भूमिका; भारत के अतीत की खोज; शासकों का जातीय दंभ; भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस की पूर्ववर्ती संस्थाएं; भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस; आरंभिक राष्ट्रवादियों के कार्यक्रम और कार्यकलाप साम्राज्यवाद की अर्थशास्त्रीय आलोचना; सांविधानिक सुधार प्रशासकीय और अन्य सुधार; नागरिक अधिकारों की रक्षा राजनीतिक कार्य की विधियां; जनता की भूमिका; सरकार का रवैया; आरंभिक राष्ट्रीय आंदोलन का मूल्यांकन

10. **धार्मिक और सामाजिक सुधार: 1858 के बाद** 215
धार्मिक सुधार; सामाजिक सुधार; स्त्रियों की मुक्ति; जाति प्रथा के विरुद्ध संघर्ष

11. **राष्ट्रवादी आंदोलन: उग्र राष्ट्रवाद का विकास (1905-1918)** 240
बंगाल का विभाजन (बंग-भंग); क्रांतिकारी राष्ट्रवाद का विकास; भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस (1905-1914); संप्रदायवाद का विकास; राष्ट्रवादी और प्रथम विश्वयुद्ध

12. **स्वराज्य के लिए संघर्ष – I** 274
मांटेग्यू-चेम्सफोर्ड सुधार; रोलट कानून; महात्मा गांधी ने नेतृत्व संभाला; अहमदाबाद में मज़दूरों की हड़ताल; रोलट कानून के विरुद्ध सत्याग्रह; जलियांवाला बाग हत्याकांड; ख़िलाफ़त और असहयोग आंदोलन (1919-22); स्वराज्यवादी

Scanned by TapScanner

13. स्वराज्य के लिए संघर्ष – II : नई शक्तियों का आविर्भाव 297

नागरिक अवज्ञा आंदोलन; राष्ट्रवादी राजनीति, 1935-39; 1935 का भारत सरकार कानून; कांग्रेसी मंत्रिमंडल; समाजवादी विचारों का प्रसार; किसान और मज़दूर आंदोलन; कांग्रेस और विश्व की घटनाएं; रजवाड़ों की जनता का संघर्ष; सांप्रदायिकता का विकास; दूसरे विश्वयुद्ध के दौरान राष्ट्रीय आंदोलन; युद्धोत्तर काल का संघर्ष

संदर्भिका 333

अनुक्रमणिका 338

Scanned by TapScanner